बदलाव की बयार : बदलाव से शैक्षिक संस्थानों को मिलेगी नई दिशा

डिजिटल इवेल्यूएशन से बदल जाएगी तस्वीर

पुलक त्रिपाठी, लखनऊ

- आर्थिक खर्च कम होने से विश्वविद्यालय को मिलेगी मजबूती
- लापरवाह शिक्षकों की बढ़ेंगी मुसीबतें

तकनीकी के दौर में डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम विश्वविद्यालय (एकेटीयू) भी अपना दमखम दिखा रहा है। यह प्रयोग भले ही विश्वविद्यालय अपनी सहूलियत के लिए कर रहा हो, लेकिन ऐसे प्रयोग शिक्षा क्षेत्र की तस्वीर बदलने का काम कर सकते हैं। जी हां, प्रवेश परीक्षा में बायोमीट्रिक प्रयोग के बाद एकेटीयू अब डिजीटल इवेल्यूवेशन की ओर कदम बढ़ाने जा रहा है। इसके तहत प्रोफेशनल कॉलेजों में पढ़ाने वाले शिक्षकों को एक केंद्र से दूसरे केंद्र पर जाकर कॉपियां चेक करने से निजात मिलेगी। डिजीटल इवेल्यूएशन से शिक्षक अपने ही कॉलेजों में बैठ कर कंप्यूटराइज्ड तरीके से कॉपियों को चेक कर सकेंगे। कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और गुजरात के बाद यूपी में पहली बार इस तकनीक का इस्तेमाल एकेटीयू करने जा रहा है।

विश्वविद्यालय पहली बार डिजीटल इवेल्यूवेशन कराने जा रहा है। हमारा प्रयास है कि डिजीटल इवेल्यूवेशन को इसी सत्र से शुरू कराया जाए। इसके लिए प्रक्रिया चालू है।
प्रो.विनय कुमार, कुलपति

इसके लिए ट्रायल किया जा रहा है, इसी सत्र से इसका क्रियान्वयन किए जाने केप्रयास किए जा रहे।
जेपी पांडेय, परीक्षा नियंत्रक

कैसे होगी मार्किंग

उत्तर पुस्तिका में लिखे गए उत्तर को देखते ही स्क्रीन पर एक बाक्स में अंक डिस्प्ले होंगे। किस प्रश्न के उत्तर में कितने नंबर देने हैं, शिक्षक बाक्स में उसी अंक को सलेक्ट करेगा। इसके साथ ही जितने नंबर मूल्यांकनकर्ता द्वारा दिए जाएंगे, उन नंबरों को कंप्यूटर जोड़ता जाएगा।

क्या है डिजीटल इवेल्यूएशन

अभी तक मूल्यांकन के लिए सेंटर पर कॉपियां भेजनी पड़ती थीं, अब यह होगा कि कॉपियों को स्कैन कर अलग-अलग केंद्रों पर सॉफ्ट फार्म में भेजा जाएगा। कॉपियों तक पहुंचने के लिए मूल्यांकनकर्ता को कॉलेज और अपनी आइडी से लॉगिन करना होगा।

क्या होंगे लाभ

- उत्तर पुस्तिका की हार्ड कॉपी पूरी तरह सुरक्षित रहेगी।
- मैनुअल तरीके से चेक करने के प्रोसेस में नंबरों को जोड़ने में होने वाली गड़बड़ी से बचा जा सकेगा।
- छात्रों को विवि की ओर से उन्हें स्केन कॉपी उपलब्ध कराई जा सकेगी।
- शिक्षक को कॉपियां चेक करने के लिए भेजने का झंझट खत्म होगा।
- शिक्षको पर आने वाले टीए-डीए के खर्च से भी विवि को बड़ी राहत मिलेगी।
- कॉपियों के स्क्रूटनी के लिए अब महीनों इंतजार नहीं करना होगा। डिजीटल इवेल्यूशन से चंद घंटों में 10 हजार से अधिक कॉपियों को दोबारा चेक किया जा सकता है।